

## हर फिकर को धुएं में उड़ाता चला गया

हर फिकर को धुएं में उड़ाता चला गया,

बरबादियों का मना न फजूल था,  
बरबादियों का जश्न मनाता चला गया,  
हर फिकर को धुएं में उड़ाता चला गया,

जो मिल गया उसे मुकदर समझ लिया,  
जो खो गया मैं उसको बुलाता चला गया ,  
हर फिकर को धुएं में उड़ाता चला गया,

गम और खुशी में फर्क न महसूस हो रहा,  
मैं खुद को मुकाप पे पाता चला गया,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16037/title/har-fikar-ko-dhuye-me-udaata-chla-geya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |